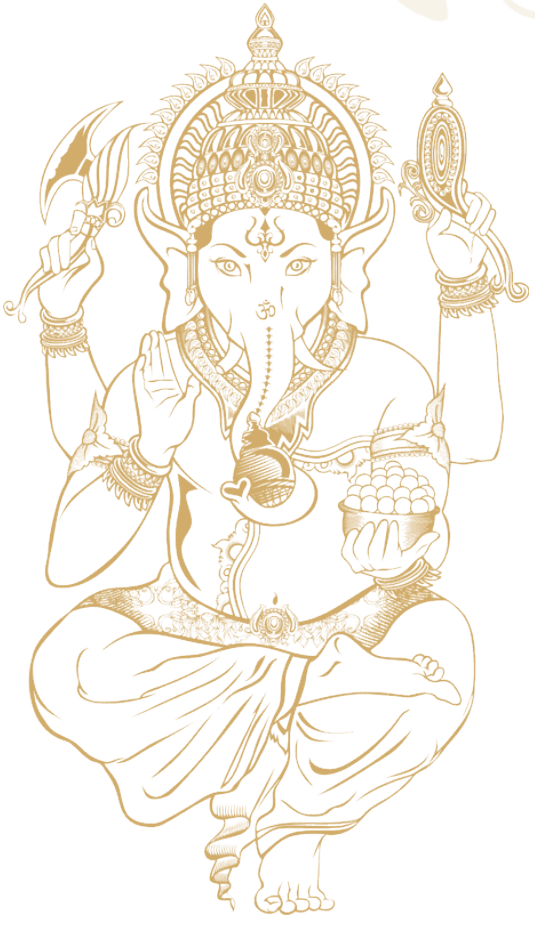

Priyambda

29 Oct 2005

03:45 AM

Khordha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121914619

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28-29/10/2005**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	54:54:22 घटी
स्थान	**Khordha**
राज्य	Odisha
देश	India

अक्षांश	20:10:00 उत्तर
रेखांश	85:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:57:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:14 घंटे
साम्पातिक काल	06:27:13 घंटे
सूर्योदय	05:47:15 घंटे
सूर्यास्त	17:14:41 घंटे
दिनमान	11:27:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:39:15 तुला
लग्न के अंश	12:27:21 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:27:21	338:57:29	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			तुला	11:39:15	00:59:57	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			सिंह	23:53:44	12:04:09	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		मेष	24:22:30	00:20:09	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			वृश्चि	04:19:54	01:12:56	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु		अ	तुला	06:40:27	00:13:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	28:32:52	01:02:03	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			कर्क	16:49:18	00:02:40	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु			मीन	19:37:20	00:01:37	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	19:37:20	00:01:37	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	13:02:32	00:00:54	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	20:52:51	00:00:04	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:42:56	00:01:40	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मिथु	12:18:30	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:13

लग्न-चलित

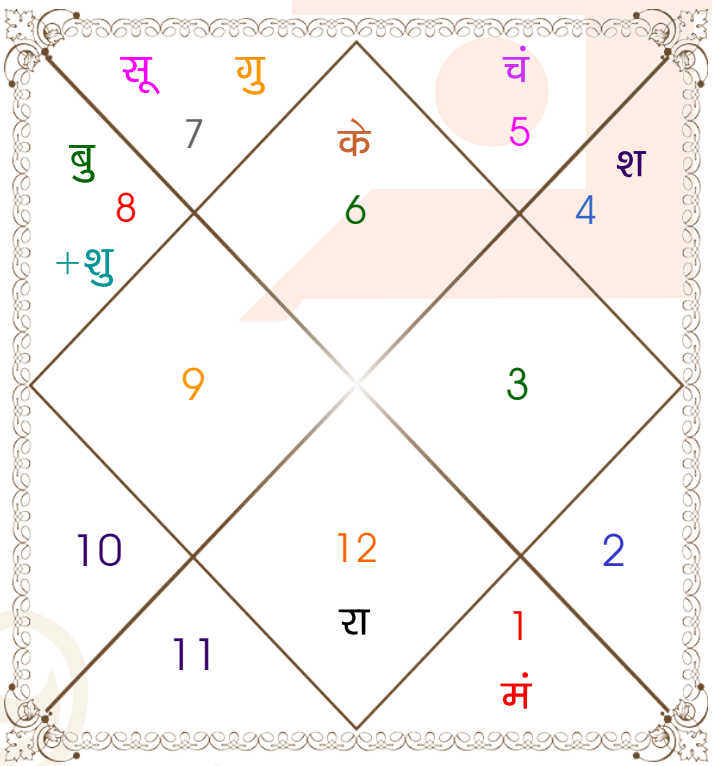

चन्द्र कुंडली

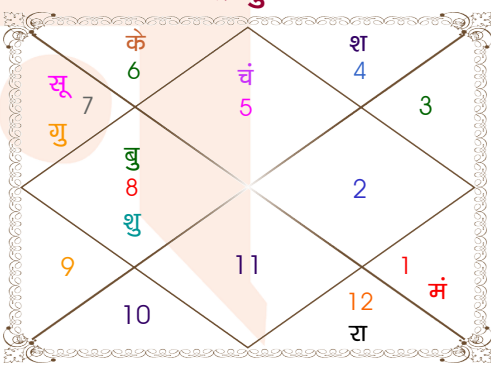

नवमांश कुंडली

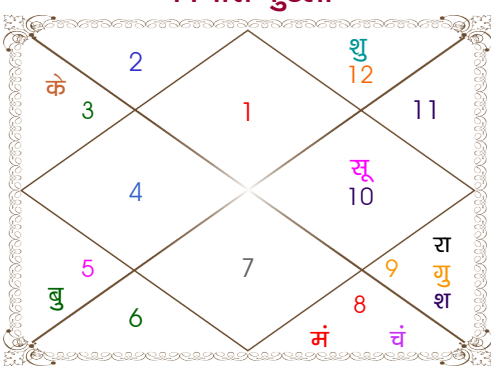

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 1 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/10/2005		25/12/2009		25/12/2015		25/12/2025		25/12/2032	
25/12/2009		25/12/2015		25/12/2025		25/12/2032		25/12/2050	
	00/00/0000	सूर्य	13/04/2010	चंद्र	25/10/2016	मंगल	23/05/2026	राहु	07/09/2035
	00/00/0000	चंद्र	13/10/2010	मंगल	26/05/2017	राहु	11/06/2027	गुरु	30/01/2038
	00/00/0000	मंगल	18/02/2011	राहु	25/11/2018	गुरु	16/05/2028	शनि	06/12/2040
	00/00/0000	राहु	13/01/2012	गुरु	26/03/2020	शनि	25/06/2029	बुध	26/06/2043
	00/00/0000	गुरु	31/10/2012	शनि	25/10/2021	बुध	22/06/2030	केतु	13/07/2044
	29/10/2005	शनि	13/10/2013	बुध	26/03/2023	केतु	19/11/2030	शुक्र	14/07/2047
शनि	25/12/2005	बुध	19/08/2014	केतु	26/10/2023	शुक्र	19/01/2032	सूर्य	07/06/2048
बुध	25/10/2008	केतु	25/12/2014	शुक्र	25/06/2025	सूर्य	26/05/2032	चंद्र	07/12/2049
केतु	25/12/2009	शुक्र	25/12/2015	सूर्य	25/12/2025	चंद्र	25/12/2032	मंगल	25/12/2050

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/12/2050		25/12/2066		25/12/2085		26/12/2102		26/12/2109	
25/12/2066		25/12/2085		26/12/2102		26/12/2109		00/00/0000	
गुरु	11/02/2053	शनि	28/12/2069	बुध	23/05/2088	केतु	24/05/2103	शुक्र	26/04/2113
शनि	26/08/2055	बुध	06/09/2072	केतु	20/05/2089	शुक्र	23/07/2104	सूर्य	27/04/2114
बुध	01/12/2057	केतु	16/10/2073	शुक्र	20/03/2092	सूर्य	28/11/2104	चंद्र	26/12/2115
केतु	06/11/2058	शुक्र	15/12/2076	सूर्य	24/01/2093	चंद्र	29/06/2105	मंगल	25/02/2117
शुक्र	07/07/2061	सूर्य	27/11/2077	चंद्र	26/06/2094	मंगल	25/11/2105	राहु	25/02/2120
सूर्य	26/04/2062	चंद्र	29/06/2079	मंगल	23/06/2095	राहु	14/12/2106	गुरु	26/10/2122
चंद्र	26/08/2063	मंगल	07/08/2080	राहु	09/01/2098	गुरु	20/11/2107	शनि	30/10/2125
मंगल	01/08/2064	राहु	14/06/2083	गुरु	17/04/2100	शनि	29/12/2108		00/00/0000
राहु	25/12/2066	गुरु	25/12/2085	शनि	26/12/2102	बुध	26/12/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 1 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।